आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 22 (प्रति रविवार) इंदौर, 18 फरवरी से 24 फरवरी 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

भाजपा अधिवेशन में पीएम मोदी बोले

कांग्रेस देश बांटने में जुटी

कहा- कांग्रेस ने सेना पर सवाल उठाए, राफेल की राह में भी रोड़े अटकाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के भारत मंडपम में भाजपा का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन रविवार 18 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के साथ खत्म हो गया। पीएम ने अपने 64 मिनट के भाषण में कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से काम करने का मंत्र दिया। वहीं, कांग्रेस समेत विपक्ष पर निशाना साधते हुए 10 साल की अपनी सरकार की उपलब्धियां भी बताईं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश को बांटने में लगी है। उन्होंने सेना पर सवाल उठाए और राफेल की राह में भी रोड़े अटकाए। प्रधानमंत्री जैन संत विद्यासागर जी महाराज की बात करते हुए भावुक भी हो गए।

अधिवेशन में यूपीए सरकार के 10 साल के कार्यकाल के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक श्वेत पत्र जारी किया गया। इसके अलावा राम जन्मभूमि पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने श्रीराम मंदिर निर्माण पर प्रस्ताव पेश किया।

कार्यकर्ताओं के लिए अगले 100 दिन नई उमंग नए जोश के हैं- राष्ट्रीय अधिवेशन में उपस्थित और देश के कोने-कोने से जुड़े भाजपा कार्यकर्ताओं का मैं अभिनंदन करता हूं। भाजपा का कार्यकर्ता साल के हर दिन चौबीसों घंटे देश की सेवा के लिए कुछ ना कुछ करता ही रहता है। अब अगले 100 दिन नई ऊर्जा, नई उमंग, नए उत्साह, नया विश्वास, नए जोश के साथ काम करने के हैं। देश के नए युवा जो 18 वर्ष के हुए हैं, वो 18वीं लोकसभा का चुनाव करेंगे। अगले 100 दिन हर नए वोटर, हर लाभार्थी, हर वर्ग-हर समाज, हर एक तक पहुंचना है। सबका विश्वास हासिल करना है। सबका प्रयास होगा देश की सेवा के लिए सबसे ज्यादा सीटें भी भाजपा को ही मिलें।

विद्यासागर जी का समाधि लेना व्यक्तिगत क्षति- आज मैं देशवासियों की तरफ से संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 पूज्य विद्यासागरजी महाराज को आदरपूर्वक नमन करते हुए श्रद्धांजलि देता हूं। उनके समाधिस्थ होने की सूचना मिलने के बाद अनुयायी और हम सभी शोक में हैं। मेरे लिए यह व्यक्तिगत क्षति जैसा है। बरसों तक मुझे व्यक्तिगत रूप से अनेक बार उनसे मिलने का अवसर मिला। कुछ दिन पहले मैं प्रवास कार्यक्रम को बदलकर सुबह सुबह उनके पास पहुंचा। तब पता नहीं था कि मैं दोबारा उनसे नहीं मिलूंगा। उनके दर्शन नहीं कर पाऊंगा।

24 घंटे के भीतर-भीतर एनालिसिस करके मुझे उनका संदेश आता था। इसे पता चलता है कि वे कितने जागरूक थे। उनके सिद्धांत और उनका आशीर्वाद ऐसे ही भारत भूमि को प्रेरणा देता रहेगा।

देश के सपने भी विराट होंगे और संकल्प भी विराट होंगे- पिछले 10 साल में भारत ने जो गति हासिल की है। बड़े लक्ष्यों को हासिल करने का जो हौसला पाया है, वो अभूतपूर्व है। ये मैं नहीं, पूरी दुनिया गाजे-बाजे के साथ बोल रही है। हर देशवासी को एक बड़े संकल्प के साथ जोड़ दिया है। ये संकल्प है विकसित भारत का। अब देश ना छोटे सपने देख सकता है और ना छोटे संकल्प ले सकता है। सपने भी विराट होंगे और संकल्प भी।

जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, हमने उन्हें पूछा और पूजा- 10 साल में जो हासिल किया, वो पड़ाव मात्र है। मंजिल तक पहुंचने का नया विश्वास है। अभी हमें देश के लिए, कोटि-कोटि भारतीयों का जीवन बदलने के लिए बहुत कुछ हासिल करने का संकल्प लेना है। बहुत से निर्णय अभी बाकी हैं। आज भाजपा युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब और किसान की शक्ति को विकसित भारत के निर्माण की शक्ति बना रही है।

दिगंबर मुनि परंपरा के आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने शरीर त्यागा

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चन्द्रगिरि तीर्थ में शनिवार (17 फरवरी) देर रात दिगंबर मुनि परंपरा के आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अपना शरीर त्याग दिया। उनका अंतिम संस्कार रविवार दोपहर 1 बजे किया जाएगा। पूर्ण जागृतावस्था में आचार्य पद का त्याग करते हुए जैन मुनि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने रात संल्लेखना पूर्वक समाधि ले ली। बताया गया कि वे लगभग 6 माह से डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी में रुके हुए थे। आचार्य विद्यासागर महाराज पिछले कुछ दिन से अस्वस्थ थे। पिछले तीन दिन से आचार्यश्री ने अन्न-जल पूरी तरह त्याग दिया था। जिसके बाद बीती रात 2.35 बजे उन्होंने अंतिम सांसें लीं। आचार्यश्री अंतिम सांस तक चैतन्य अवस्था में रहे और मंत्रोच्चार करते हुए उन्होंने देह का त्याग किया।

पीओके में लगाए जा रहे टेलिकम्यूनिकेशन टावर, आतंकी घुसपैठ में करते हैं मदद

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। एलओसी के पास पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके में हाल के दिनों में मोबाइल टावरों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, इससे आतंकियों को घुसपैठ करने में मदद मिलती है। अधिकारियों ने पीर पंजाल के दक्षिण में घुसपैठ की कोशिशों और हाल के आतंकी हमलों के पैटर्न की स्टडी के बाद कहा कि टेरर ग्रुप ज्यादातर एन्क्रिप्टेड वायएसएमएस सर्विस का इस्तेमाल कर रहे हैं। एन्क्रिप्टेड वायएसएमएस सर्विस एक ऐसी टेक्नीक है जो सीक्रेट कम्युनिकेशन के लिए स्मार्टफोन और रेडियो सेट को मर्ज करती है। पीओके में बैठे आतंकी हैंडलर घुसपैठ करने वाले आतंकियों से कनेक्ट रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टेलिकॉम सिग्नल से जुड़ा यह प्रोजेक्ट पाकिस्तानी सेना अधिकारी मेजर जनरल उमर अहमद शाह संभाल रहे हैं। वह पहले पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के लिए काम करते थे।

त्रिपुरा में मजिस्ट्रेट ने किया रेप पीड़ित का सेक्शुअल हैरेसमेंट

महिला बोली- बयान देने चेंबर में गई, जज ने गलत तरीके से छुआ; 3 जज करेंगे जांच

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के कमालपुर में फर्स्ट क्लास ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट ने एक रेप पीड़ित का सेक्शुअल हैरेसमेंट किया। वाकया 16 फरवरी का है। पीड़ित महिला का आरोप है कि वह अपने पति के साथ रेप के खिलाफ बयान दर्ज कराने मजिस्ट्रेट के चेंबर में गई थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक- पीड़ित महिला कुछ बोलती, उसके पहले ही जज ने उसके शरीर को गलत ढंग से छूना शुरू कर दिया। इसके बाद वह तुरंत बाहर आयी और घटना के बारे में बताया।

एक सीनियर एडवोकेट ने रविवार को बताया कि धलाई डिस्ट्रिक्ट-सेशन जज गौतम सरकार की अध्यक्षता में तीन जजों के पैनल ने जज पर लगे आरोपों की जांच शुरू कर दी है। कमालपुर थाना पुलिस ने आरोपी जज विश्वतोष धर के खिलाफ लिखित शिकायत मिलने की बात की है, लेकिन अभी तक मामला दर्ज नहीं किया है।

बार एसोसिएशन में भी दर्ज हुई शिकायत- महिला ने अपने साथ हुई घटना के बारे में पति के अलावा मजिस्ट्रेट कोर्ट के बाहर मौजूद वकीलों को भी जानकारी दी। मजिस्ट्रेट के चेंबर में पीड़ित के साथ एक महिला कांस्टेबल भी गई थी लेकिन आरोपी जज ने उसने महिला के साथ नहीं रहने दिया। इसके बाद उसके पति ने भी घटना को लेकर कमालपुर बार एसोसिएशन में एक अलग शिकायत दर्ज कराई।

संपादकीय

किसान आंदोलन बन गया केंद्र के लिए गले की फांस

देश में लोकसभा चुनाव 2024 का वक्त बहुत करीब आ चुका है। यह अलग बात है कि फिलवक्त चुनाव की तारीखों का एलान चुनाव आयोग ने नहीं किया है। बावजूद इसके सियासी हलकों से लेकर वैचारिक धरातल पर काम करने वाले विचारवान लोगों ने यह मान लिया है कि दो से तीन माह के अंदर ही भारत की नई सरकार गठन के लिए मतदान और मतगणना का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। ऐसे में किसानों का दिल्ली कूच आंदोलन जहां तेज़ हो गया है, वहीं उसने देश-विदेश में सुर्खियां भी बटोर ली हैं। प्रत्येक स्तर पर हर जगह किसान आंदोलन की बात हो रही है। इससे किसान आंदोलन केंद्र की मोदी सरकार की न सिर्फ परेशानी बढ़ाता दिख रहा है बल्कि वह उसके लिए गले की फांस भी बन चुका है। राजनीतिक हलकों की बात करें तो इस आंदोलन को बल देने के लिए कांग्रेस समेत तमाम विरोधी खेमें बयान देने के साथ ही किसान व मजदूरों को जगाने का कार्य करते दिख रहे हैं। यहां सवाल यही है कि आम चुनाव से पहले किसानों का आर-पार वाला यह आंदोलन क्या भारतीय जनता पार्टी के लिए कड़ी चुनौती पेश कर रहा है? सच तो यही है कि किसान आंदोलन न सिर्फ भाजपा के लिए बल्कि केंद्र के लिए भी बड़ी चुनौती खड़ा कर चुका है। खासतौर पर तब जबकि केंद्रीय मंत्रियों के साथ किसान नेताओं की बैठकें बेनतीजा रही हैं। दरअसल किसान यूनियनों ने 12 फ़रवरी को केंद्रीय मंत्रियों के साथ बेनतीजा रही दो दौर की बातचीत के बाद दिल्ली कूच का आह्वान किया था। न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए क़ानून बनाने और स्वामीनाथन आयोग की सभी सिफ़ारिशों को लागू करने जैसी मांगों को लेकर किसान संगठनों ने पंजाब-हरियाणा की शंभू बॉर्डर पर पहुंच केंद्र सरकार को ताकत दिखाने का काम किया। वहीं दूसरी तरफ केंद्र ने किसानों की ताकत को कम आंका और तमाम सीमाओं पर उन्हें रोकने के पुख्ता इंतजाम कर दिए। अन्य सीमाओं के साथ ही शंभू बॉर्डर पर आंदोलनरत किसानों को रोकने के लिए कड़ी व्यवस्था कर दी गई। कंटीले तार लगा दिए गए, बैरिकेडिंग की गई और बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बल तैनात कर दिए गए। कमोवेश यही इंतजाम सिंघु, टीकरी, गाजीपुर और गौतमबुद्ध नगर की सीमाओं पर भी किए गए, जहां बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए गए। इस पूरे मामले में केंद्र से भारी चूक हुई और देखते ही देखते किसान आंदोलन ने बड़ा रुप ले लिया। खासतौर पर तब जबकि बड़ी संख्या में एकत्रित हुए किसानों को तितर-बितर करने के लिए ड्रोन से अश्रु गैस के गोले दागे गए। इसका मुकाबला किसानों ने अपनी सुरक्षात्मक रणनीति के तहत पतंगों को उड़ाकर ड्रोन गिराने जैसे उपक्रम से किया, जिसकी चर्चा चटकारे लेते हुए चहुंओर हुई है। बहरहाल लोकतंत्र में सभी को कानून के दायरे में रहकर आंदोलन करने का अधिकार प्राप्त है, लेकिन इस प्रकार के आंदोलन जो देश और दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं, कम ही होते हैं। इन्हें वक्त रहते रोकने या उसे असफल करने का दायित्व सरकारों का होता है। यदि यह आंदोलन बड़े स्तर पर हो रहा है तो इसके लिए सरकार की गुप्तचरी और नीतिकारों की असफलता ही कही जाएगी। इस तरह के आंदोलन अचानक एक-दो दिन में खड़े नहीं होते हैं, बल्कि इसके पीछे एक सोच और ताकत काम करती है, जो महीनों और वर्षों की मेहनत से खड़ी की जाती है। यह संगठनों की वो शक्ति है, जिसे आमजन ताकत देता है। इस ताकत के केंद्रित होने से पहले ही सरकारों को सचेत हो रहना चाहिए, वर्ना वही होता है जो आज किसान आंदोलन के दौरान देखने को मिल रहा है। समस्या का समाधान निकालने के लिए वार्तालाप बेनतीजा रहे यह भी कहीं न कहीं सरकार के प्रयासों पर ही प्रश्नचिन्ह लगाता है। इससे सवाल उठ रहे हैं कि कहीं मोदी सरकार सत्ता के नशे में चूर हो जमीनी हकीकत से मुंह तो नहीं मोड़ रही है? ऐसा तो नहीं बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से तंग युवा भी इसी तरह सड़कों पर उतरने और एक नई परेशानी सरकार के लिए खड़ी करने की सोच रखता हो। इस समय देश में 1975 जैसे ही हालात नजर आ रहे हैं, वही महंगाई, वही बेरोजगारी और काम मांगते लोगों को संतुष्ट करने के लिए सरकार के पास कोई योजना नहीं और न ही कोई स्थाई हल जैसा सपना ही है।

राजनीतिक दलों के बाजीगर और चुनावी शतरंज

ललित गर्ग

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछ रही है। कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने शतरंज की चालों की तरह अपनी-अपनी चालें चल रहे है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजीर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजीर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटें हैं। शतरंज की एक विशेषता है कि राजा कभी अकेले से शिकस्त नहीं खाता और यही हम आगामी चुनाव के बन रहे दृश्यों से महसूस कर रहे हैं।

राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिये राजनीति में सही वक्त पर सही ढंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते है राजनीति। इसी राजनीति के महारथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है। शतरंज के खेल की भांति राजनीति में भी कब किस घोड़े को और किस सैनिक को ऊंट को मारना है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके, ये कला आनी चाहिए। इस कला में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। वह राजनीतिक शतरंज की चालों में माहिर है और उसकी दृष्टि नये बन रहे राजनीतिक जोड़-तोड़ पर लगी है। भाजपा की एक चाल के बाद विरोधी कितनी चाल चल सकता है, भाजपा के घोड़े ऊंट सैनिक को मारने के लिए विपक्षी दल क्या चाले चल सकते हैं, इस बात का भाजपा को पहले से ज्ञान है, उसे यह भी पता है कि वह कितने प्यादों को खो सकता है। उसे बचाने का खेल भाजपा खेलने लगी है।

शतरंज में सफेद मोहरों की चाल पहले होती है और हर एक चाल की वरीयता मायने रखती है। ठीक इसी सोच पर भाजपा सभी चुनावी चालों में आगे रहना चाहती हैं। पर शुरूआत किस चाल से करें, जिसकी काट नहीं हो, यह भाजपा अच्छी तरह जानती हैं। तभी उसने प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़ी पहले चलने वाली चाले चलते हुए नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा दिया है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को 'भारत रत्न' सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाते हुए शह-मात का खेल खेल रही है।

शतरंज के खेल की तरह राजनीति के खेल में भी घोड़ा ढाई घर आगे और ढाई घर पीछे चलकर मारता है, परिपक्व एवं मझे हुए राजनीतिक खिलाड़ियों एवं राजनीतिक दलों की यही चालें शुरू हो चुकी है, जिस कारण सभी विपक्षी दलों के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का धर्म संकट है और प्रमुख दलों में भविष्य की राजनीतिक सत्ता को लेकर राजनीति की निष्ठायें पूरी तरह से धूमिल होती हुई भी दिखाई पड़ रही है। वर्तमान राजनीति सिद्धांतों पर नहीं रह गई है अब विभिन्न राजनीतिक दल येन केन प्रकरण पद और सत्ता हासिल करके सुख भोगना चाहते हैं और समाज में अपने रुतबे को कायम रखने की होड़ शुरू है। लेकिन सत्ता एवं स्वयं-स्वार्थ की इस होड़ के कारण नुकसान तो लोकतंत्र का ही हो रहा है। इसलिये आज सबकी आंखें और कान राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिदिन लिये जाने वाले निर्णयों पर लगे हुए हैं। दोष किसी एक दल का नहीं, बल्कि उन सबका है जो चुनावी संग्राम को एक शतरंज की बिसात बना रखा है। चुनाव की घोषणा से पहले ही जो घटनाएं हो रही हैं वे शुभ का संकेत नहीं दे रही हैं। मतदाता भी धर्म संकट में है। उसके सामने अपना प्रतिनिधि चुनने का विकल्प नहीं होता। प्रत्याशियों में कोई योग्य नहीं हो तो मतदाता चयन में मजबूरी महसूस करते हैं। मत का प्रयोग न करें या न करने का कहें तो वह संविधान में प्रदत्त अधिकारों से वंचित होना/करना है, जो न्यायोचित नहीं है।

काले और सफेद मोहरे शतरंज की फर्श पर ही आमने-सामने नहीं होते, पूरा चुनावी परिदृश्य ऐसे ही काले और सफेद रंगों में बंटती जा रही है। कहीं यह अगड़ों-पिछड़ों के नाम से तो कहीं वर्ग और जाति के नाम से आमने-सामने हैं। इस बार की लड़ाई कई दलों के लिए आरपार की है। अभी नहीं तो कभी नहीं। दिल्ली के सिंहासन को छूने व लालकिले पर ध्वज की डोरी पकड़ने के लिए सबके हाथों में खुजली आ रही है। उन्हें केवल अगले चुनाव की चिन्ता है, अगली पीढ़ी की नहीं। मतदाताओं के पवित्र मत को पाने के लिए पवित्र प्रयास की सीमा लांघ रहे हैं। यह त्रासदी बुरे लोगों की चीत्कार नहीं है, भले लोगों की चुप्पी है जिसका नतीजा राष्ट्र भुगतता रहा है/भुगतता रहेगा, जब तब भले लोग मुखर नहीं होगे।

शतरंज के खेल की तरह शह और मात राजनीति में भी होती है, शतरंज के खेल में घोड़ा बहुत महत्वपूर्ण होता है। भाजपा ने ऐसे ही घोड़ों को अपने पक्ष में किया हैं, ये घोड़े चारों दिशाओं में से किसी एक में आवश्यकतानुसार ढ़ाई घर चल सकता है। यह आक्रमण में निर्णायक भूमिका निभाता है और सुरक्षा भी प्रदान करता है। इसकी चाल को समझना आवश्यक है। वैसे मंत्री या वजीर सबसे शक्तिशाली मोहरा होता है, क्योंकि यह आगे-पीछे, आरे-तिरछे, अगल-बगल अपनी मर्जी एवं सुविधा से, कई घरों तक आ-जा सकता है। वैसे खेल तो प्यादों से शुरू होता है। आगे वे ही बढ़ते हैं। आक्रमण एवं सुरक्षा, दोनों की रणनीति, उनकी चाल को ध्यान में रख कर बनाई जाती है। सबसे बड़ी बात है कि आगे बढ़ते हुए वे आवश्यकतानुसार मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी कुछ भी बन सकते हैं। उनके महत्व को कम करके नहीं देखा जा सकता। भाजपा के पास विपक्षी दलों की तुलना में ऐसे मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी सब है। जबकि विपक्षी दल अपनी कुचालों से इन सबको खोते जा रहे हैं। यह सही है कि सहयोगियों के गठबंधन छोड़ने की शुरुआत भी एनसीपी में पड़ी फूट के बाद से ही हो गई थी, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पलटना इस अर्थ में निर्णायक कहा जा सकता है कि वही गठबंधन के सूत्रधार की भूमिका निभा रहे थे। उन्हें अपनी ओर खींचकर भाजपा और एनडीए ने विपक्षी दलों के विशाल गठबंधन से बनते नैरेटिव को जबर्दस्त झटका दिया। इस झटके से उबरने की कोशिशें ढंग से शुरू होतीं, उससे पहले ही पश्चिम यूपी के जाट बहुल इलाके में दखल रखने वाले आरएलडी नेता जयंत चौधरी ने भी पाला बदल लिया।

निश्चित रूप से इन सब शतरंजी चालों के पीछे एनडीए की तरफ से हो रहे सुनियोजित प्रयासों की भूमिका है। लेकिन इंडिया गठबंधन खेमा जिस तरह से बिखर रहा है, उसका पूरा श्रेय एनडीए की कोशिशों को नहीं दिया जा सकता। इसकी काफी जिम्मेदारी विपक्षी दलों के नेताओं को भी अपने सिर पर लेनी होगी। विपक्षी दलों का मंच इंडिया गठबंधन पिछले साल मुश्किलों के बीच जिस तरह से बना और फिर जितनी तेजी से इसने उम्मीदें जगानी शुरू कीं, उतनी ही तेजी से उन उम्मीदों को ध्वस्त भी करता जा रहा है। भाजपा की शतरंज पर बिछी बिसात का अहम हिस्सा नंबर से आगे जाकर पूरे देश में ऐसा माहौल बनाना है जिससे लोगों में उसके लिये अधिकतम स्वीकार्यता का भाव आये। मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिये राष्ट्रीय एकता, नया भारत, सशक्त भारत का सन्देश अहम है। राजनीतिक चारित्रिक उज्ज्वलता, ईमानदारी और नैतिकता शतरंज की चालें नहीं मानवीय मूल्य हैं। अतः नीति ही राजा, नीति ही मोहरें और नीति ही चालें हो।

दो साल में कम हो गए गिद्ध, पिछली बार 117 थे, अब 83 बचे

ट्रेंचिंग ग्राउंड में घटकर 11, सबसे ज्यादा पेडमी में 33 गिद्ध मिले

इंदौर। *इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में अब गिद्धों की संख्या काफी कम रह गई है। वन विभाग द्वारा तीन दिनों में इंदौर, महू, मानपुर, चोरल रेंज में गिनती की गई। इस बार करीब 83 गिद्ध मिले हैं जिनमें 28 बच्चे हैं। दो साल पहले 117 मिले थे। गिद्धों की तेजी से कम होती संख्या ने इंदौर में इनके वर्चस्व की चिंता बढ़ा दी है।*

रविवार सुबह ट्रेंचिंग ग्राउण्ड क्षेत्र में गिनती की गई। इसमें 11 गिद्ध मिले डीएफओ महेंद्रसिंह सोलंकी ने बताया कि रविवार को गिनती पूरी हो हई। इस बार पातालपानी में 2 और मेहंदी कुण्ड में 2 गिद्ध मिले हैं। सबसे ज्यादा 33 गिद्ध पेडमी में मिले। इसके पूर्व पिछली गिनती में ट्रेंचिंग ग्राउण्ड में ही 60 से ज्यादा पाए गए थे। फिर यहां कचरा प्लांट आने से इनकी संख्या तेजी से कम हुई। इस बार 11 ही मिले।

इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में अब गिद्धों की संख्या काफी कम रह गई है। वन विभाग द्वारा तीन दिनों में इंदौर, महू, मानपुर, चोरल रेंज में गिनती की गई। इस बार करीब 83 गिद्ध मिले हैं जिनमें 28 बच्चे हैं। दो साल पहले 117 मिले थे। गिद्धों की तेजी से कम होती संख्या ने इंदौर में इनके वर्चस्व की चिंता बढ़ा दी है। रविवार सुबह ट्रेंचिंग ग्राउण्ड क्षेत्र में गिनती की गई। इसमें 11 गिद्ध मिले डीएफओ महेंद्रसिंह सोलंकी ने बताया कि रविवार को गिनती पूरी हो हई। इस बार पातालपानी में 2 और मेहंदी कुण्ड में 2

गिद्ध मिले हैं। सबसे ज्यादा 33 गिद्ध पेडमी में मिले। इसके पूर्व पिछली गिनती में ट्रेंचिंग ग्राउण्ड में ही 60 से ज्यादा पाए गए थे। फिर यहां कचरा प्लांट आने से इनकी संख्या तेजी से कम हुई। इस बार 11 ही मिले।

डीएफओ महेंद्रसिंह सोलंकी के मुताबिक गिनती रेंजर, एसडीओ, डिप्टी रेंजर, वन रक्षकों और एनजीओ द्वारा की गई। गिद्ध वहां पाए जाते हैं, जहां पर अकसर ग्रामीण मृत जानवरों को फेंकते हैं। गिद्धों को करीब से देखने के लिए मृत जानवरों के पास तक जाना पड़ता है। बदबू की वजह से 5 मिनट भी एक स्थान पर खड़े रहना मुश्किल होता है।

एनजीओ वाइल्ड वॉरियर्स के संचालक व बर्ड वॉचर राजेश खाबिया इस बार भी टीम में शामिल थे। उन्होंने बताया कि इंदौर, महू, मानपुर और चोरल रेंज में अलग-अलग टीमों ने गिनती की। ये सभी गिद्ध ईगिप्शियन प्रजाति के हैं।

ऐसे की जाती है गिनती

- गिद्ध जहां बैठते हैं, वहां के फोटो लिए जाते हैं। उड़ते और बैठे हुए गिद्धों को भी अलग-अलग गिना जाता है।

उदाहरण के तौर पर पेडमी में 17 गिद्ध पहले दिन दिखे। दूसरे दिन 20 दिखे तो 17 के आंकड़े को छोड़ दिया जाएगा। तीसरे दिन 25 गिद्ध दिखे तो उसे स्टैंडर्ड माना जाएगा। फिर फोटोग्राफ्स की मदद से भी संख्या निकाली जाती है।

- ऐसा भी होता है कि जिस गिद्ध को एक स्थान पर देखा वह उड़कर दूसरी जगह जाकर बैठ जाए। ऐसी स्थिति में फोटोग्राफ से टेली किया जाता है।

गिनती इसलिए जरूरी

पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में गिद्धों की अहम भूमिका है। खाद्य शृंखला में ये सबसे ऊपर हैं। गिद्ध मृत प्राणियों के अवशेषों को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इसलिए कम होती गई संख्या

गिद्धों की संख्या में गिरावट का प्रमुख कारण रासायनिक दवा है, जो पशुओं के शवों को खाते समय गिद्धों के शरीर में पहुंच जाती है। गिद्धों पर इस दवा के घातक प्रभाव के बाद 2008 में उसे प्रतिबंधित कर दिया गया।

चार युवा बने जैन संत, आचार्य जी से दीक्षा लेकर साधु जीवन मे प्रवेश

इंदौर। शहर में बिराजमान श्वेताम्बर जैनाचार्य श्री विजयराज जी महाराज द्वारा चार युवाओं युवाओं मुमुक्षु सुश्री दीपासना जी चौपड़ा, मुमुक्षु श्री अक्षय जी सहलोत, मुमुक्षु श्री सूरज जी काँकरिया, मुमुक्षु श्री मोहित जी सखलेचा को जैन दीक्षा प्रदान करके अपने अपने शिष्य मंडल में दीक्षित किया। आज बास्केटबॉल काम्प्लेक्स में सादगीपूर्ण समारोह में हजारों समाजजनों की उपस्थिति में आचार्य जी द्वारा चारों युवाओं को जैन साधुत्व का चोला प्रदान किया गया। परंपरा अनुसार आचार्य जी द्वारा नवदीक्षित संतों का नामकरण किया गया।

आज दीक्षा लेने वाले युवाओं के नामकरण-आज दीक्षा लेने वाले सूरज जी अब सन्त सूर्यप्रभ जी महाराज के नाम से, अक्षय जी संत अक्षयप्रभ जी महाराज के नाम से जाने जाएंगे , मोहित जी - संत मोहजीतप्रभ जी महाराज तथा बहिन दीपासना जी - साध्वी दीपप्रभा श्री जी के नाम से जाने जायगे। अब ये चारों युवा जैन साधुत्व के साथ संत जीवन यापन करके आत्मकल्याण और धर्म जागरण पथ पर आगे बढ़ेंगे।

दीक्षा समारोह बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में आयोजित धर्मसभा में सभी दीक्षा लेने वाले युवा केश लोचन एवं साधु वस्त्र धारण करके अपने आचार्य श्री विजयराज जी , उपाध्याय श्री जितेश मुनि जी महाराज के समक्ष शिष्य रूप में पहुंचे। उसके बाद प्रभु महावीर द्वारा बतलाई गई शास्त्रीय परंपरा अनुसार गुरु द्वारा जैन दीक्षा प्रदान की गई।

शांतक्रान्ति जैन संघ के मीडिया प्रभारी प्रकल्प जैन ने बताया कि पांच दिवसीय दीक्षा महोत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं द्वारा संत जीवन मे प्रवेश करने जा रहे चारों दीक्षार्थियों का सम्मान एवं आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गई। धर्मसभा में राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ से आये युवा मंथन छाजेड़ द्वारा जैन दीक्षा लेकर आचार्यजी के सानिध्य में मुनि बनने का संकल्प प्रस्तुत किया,जिसकी उनके परिवार द्वारा अनुमति प्रदान की गई। शीघ्र ही श्री मंथन छाजेड़ भी दीक्षा लेकर जैन मुनि बनेंगे। धर्मसभा का संचालन श्री बादल चोरडिया ने किया।

वन्दनीय विरक्ति दीक्षा समिति के संयोजक संजीव लोढ़ा ने बताया कि दीक्षा लेने के बाद जैन साधु जीवन मे भौतिक सुविधाओं को त्याग कर तप साधना से मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होने का लक्ष्य रखते हैं। इसी क्रम में संघ की परंपरा अनुसार साधु दीक्षा के पश्चात फोटो , वीडियो आदि नहीं लिए जाते। अतः दीक्षार्थियों के सभी फोटो दीक्षा पूर्व के ही हैं। शांतक्रान्ति जैन संघ के मंत्री सुशील भंडारी ने दीक्षा समारोह में पधारें अथितियों, समारोह में सहयोग देने वाली सभी संघ, संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

रिहैब सेंटर में मरीज ने लगाई फांसी

नशे के साथ बीमारी से भी जूझ रहा था

इंदौर। *भंवरकुआं में एक व्यक्ति ने रिहैब सेंटर के बाथ रूम में फांसी लगा ली। मरीज का दो माह से उपचार नशा छुड़ाने के लिए उपचार चल रहा था। शनिवार दोपहर वह बाथ रूम में गया फिर बाहर नहीं आया। कर्मचारियों ने आवाज दी तो दरवाजा नहीं खोला। तोड़कर देखा तो वह फंदे पर लटका मिला। नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने यहां मृत घोषित कर दिया।*

भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक घटना गणेश नगर के हैप्पी होम सेंटर की है। मृतक का नाम संतोष (45) पुत्र शिवनारायण पाटीदार है। यहां कर्मचारियों के देखने के बाद रिहैब सेंटर के डॉक्टरों ने चेकअप किया। बाद में तेजाजी नगर ट्रॉमा सेंटर ले गए। यहां डॉक्टरों ने संतोष को मृत घोषित कर दिया।

दिसंबर में आए थे- संतोष पाटीदार पलासिया गवली महू का रहने वाला था। उसका रिहैब सेंटर में दिसंबर से उपचार चल रहा था। रिहैब सेंटर वालों ने बताया कि संतोष को शराब के नशे की लत थी। दो बीमारी भी हो गई थी। परिवार के लोगों ने कई जगह उपचार कराया। इसके बाद यहां लेकर आए थे। वह नशे को लेकर पहले भी सुसाइड का प्रयास कर चुका था।

कंबल से कपड़ा काटकर ले गए

रिहैब सेंटर के कर्मचारियों के मुताबिक संतोष ने कंबल के चारों तरफ लगने वाले कपड़े का उपयोग किया है। संतोष के परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। परिवार को रात में आत्महत्या की जानकारी दी गई है। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

उज्जैन में एकाग्र विक्रमोत्सव का आयोजन 1 मार्च से 9 अप्रैल तक

एक माह से अधिक चलने वाले उत्सव में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

भोपाल। *उज्जैन में एक मार्च से 9 अप्रैल तक एकाग्र विक्रमोत्सव का भव्य आयोजन किया जायेगा। इस दौरान एक माह से अधिक समय तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।*

विक्रमादित्य शोधपीठ के संचालक डॉ. श्रीराम तिवारी एवं कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि शुभारंभ के समय नगर में कलश यात्रा निकाली जायेगी। इसी दिन वैदिक घड़ी का लोकार्पण वराह मिहिर वेधशाला जंतर-मंतर में किया जायेगा। इस मौके पर विक्रम पंचांग और आर्ष भारत पर आधारित पुस्तकों का लोकार्पण भी कालिदास अकादमी में किया जायेगा। भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता के संग्रहालय वीर भारत न्यास का शिलान्यास भी किया जायेगा। विक्रमादित्य के न्याय पर संगोष्ठी का आयोजन और उज्जयिनी एवं विक्रमकालीन मुद्रा एवं मुद्रांक पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जायेगी। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के सहयोग से मंदिरों में प्रभु श्रृंगार प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। माह भर चलने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री, नृत्यांगना हेमामालिनी एवं उनके दल द्वारा भगवान शिव और देवी दुर्गा पर आधारित नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति दी जायेगी। पार्श्व गायक अमित त्रिवेदी एवं उनके सहयोगी कलाकारों द्वारा नमामि महादेव शंखनाद सांगीतिक प्रस्तुति और लेजर-शो का आयोजन होगा। विक्रमोत्सव में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, श्रीकृष्ण लीला नृत्य पर आधारित लोककला का प्रदर्शन होगा। उत्सव के दौरान 9 अप्रैल को गुड़ी पड़वा पर सूर्योपासना और महाकाल शिवज्योति अर्पण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उज्जैन के रामघाट पर 25 लाख दीपक जलाये जायेंगे। विक्रमोत्सव के दौरान 9 अप्रैल को ही उज्जयिनी गौरव दिवस का आयोजन होगा। इस दौरान प्रसिद्ध गायक जुबीन नोटियाल द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी।

उज्जैन में एक एवं 2 मार्च को होगी इन्वेस्टर समिट- उज्जैन में एक और 2 मार्च को इन्वेस्टर समिट होगी। समिट में डेयरी, खाद्य पदार्थ, एग्रीकल्चर, फिल्म निर्माण और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाले उद्योगों की स्थापना पर चर्चा होगी। इसके अलावा मेडिकल डिवाइस और फॉर्मेसी उद्योग लगाने के इच्छुक प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी दी जायेगी। समिट में नागझिरी में क्लस्टर के रूप में प्रिंटिंग प्रेस मशीन स्थापित करने पर चर्चा होगी। समिट के दौरान एमएसएमई और स्टार्ट-अप, मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर और बायर-सेलर मीट का आयोजन किया जायेगा।

उज्जयिनी विक्रम व्यापार मेला एक मार्च से

उज्जैन में उज्जयिनी व्यापार मेला एक मार्च से 9 अप्रैल तक लगाया जायेगा। मेले का आयोजन नगर निगम उज्जैन करेगा। व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल सेक्टर से क्रय किये जाने वाले वाहनों के आरटीओ पंजीयन पर 50 प्रतिशत छूट दी जायेगी। मेले में ऑटोमोबाइल क्षेत्र की बड़ी कम्पनियाँ मर्सडीज, नेक्सा, महिन्द्रा, टाटा, हुण्डई, मारुति, होण्डा के स्टॉल प्रमुख रूप से होंगे। विक्रम व्यापार मेले में करीब 182 दुकानें निर्मित की जा रही हैं। व्यापार मेले में हाथकरघा एवं हस्तशिल्प की दुकानें आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। व्यापार मेला उज्जैन के पीजीवीटी में लगाया जा रहा है।

रीवा में अब कचरे से भी बनेगी बिजलीः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का किया शुभारंभ 6 मेगावाट बिजली का होगा उत्पादन

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा में अब कोयला, पानी, सोलर के बाद कचरे से भी बिजली बनाई जाएगी। नगरीय निकायों से निकलने वाले कचरे का निष्पादन कर वेस्ट टू एनर्जी प्लांट से 6 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। उन्होंने कहा कि कचरे के निष्पादन से जहाँ बिजली पैदा होगी वहीं दूसरी ओर अपशिष्ट प्रबंधन के तहत रीवा व विन्ध्य को साफ सुथरा बनाने का संकल्प भी पूरा होगा। उप मुख्यमंत्री ने रीवा के ग्राम पहड़िया में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत 158 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का शुभारंभ किया।

28 नगरीय निकायों के कचरे से अब बनेगी बिजली- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस संयंत्र से रीवा संभाग के 28 नगरीय निकायों का कचरा बिजली बनाने के काम में आएगा। उन्होंने कहा कि शहरों को साफ-सुथरा बनाने में जागरूकता के साथ-साथ अधोसंरचनात्मक कार्यों की भी आवश्यकता होती है। इस अत्याधुनिक संयंत्र से ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन होगा और इसकी चिमनी से जो धुंआ निकलेगा वह भी किसी भी प्रकार से हानिकारक नहीं होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बीमारी को रोकने में स्वच्छता की सबसे बड़ी जरूरत होती है। सभी नागरिक शहर व गांव को स्वच्छ रखने में समवेत हों और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के राष्ट्रीय आंदोलन के संकल्प को पूरा करने में भागीदार बनें।

350 टन प्रति दिवस कचरा होगा निष्पादित- उल्लेखनीय है कि वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की क्षमता 350 टन प्रति दिवस है। कचरे से बिजली उत्पादन के बाद राख का पुनः उपयोग होगा तथा कचरे के जलने से उत्पन्न होने वाली हानिकारक गैसों को पूर्ण रूप से निष्पादन कर वायुमण्डल में छोड़ा जाएगा। यह अत्याधुनिक प्लांट देश का 9वां प्लांट है जो अपशिष्ट को निष्पादित कर बिजली उत्पादन के साथ स्वच्छ भारत के संकल्प को पूरा करेगा।

सांसद श्री जनार्दन मिश्र, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, महापौर सतना योगेश ताम्रकार, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन सहित सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और उत्कृष्ट बनाने सरकार निरंतर प्रयासरत : राज्य मंत्री श्री पटेल

108 कॉल सेंटर का राज्य मंत्री ने निरीक्षण किया

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने 108 कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। राज्य मंत्री ने एकीकृत रेफेरल परिवहन प्रणाली (आईआरटीएस) को समझा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और उत्कृष्ट बनाने के लिए सरकार निरन्तर कार्य कर रही है। श्री पटेल ने सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि आने वाले कॉल पर पूर्ण संवेदनशीलता से चर्चा कर सेवाओं के प्रदाय में सहयोग प्रदान करें।

उल्लेखनीय है कि आईआरटीएस द्वारा प्रतिदिन लगभग 9000 प्रकरण अग्रेषित कर हितग्राहियों को एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाती है। लगभग 4000 प्रकरण बेसिक और एडवांस लाइफ सपोर्ट के और लगभग 5000 प्रकरण गर्भवती महिलाओं और बच्चों को एम्बुलेंस सेवा प्रदाय संबंधी होते हैं। शहरी क्षेत्रों में रिस्पांस टाइम 18 मिनट, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में रिस्पांस टाइम 25 मिनट है। प्रदेश में 167 एडवांस लाइफ सपोर्ट, 835 बेसिक लाइफ सपोर्ट और 1008 जननी एम्बुलेंस वाहन द्वारा सेवा प्रदाय की जा रही है। दिसंबर 2023 में 1 लाख 56 हज़ार 433 और जनवरी 2024 में 1 लाख 54 हज़ार 558 नागरिकों को एम्बुलेंस सेवा का प्रदाय आईआरटीएस के माध्यम से किया गया है। संचालक आईआरटीएस श्री के.के. रावत, उप संचालक आईआरटीएस डॉ. हिमांशु जायसवार उपस्थित थे।

मिशन अंकुर में 80 हजार से अधिक बच्चों का होगा वार्षिक आकलन

भोपाल। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कक्षा 2 और 3 में पढ़ने वाले बच्चों का मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान का वार्षिक आकलन आज से 22 फरवरी तक 4 हजार 800 स्कूलों में सेम्पल के तौर पर एक साथ किया जायेगा। इसके लिये राज्य शिक्षा केन्द्र ने परिपत्र जारी किया है। वार्षिक आकलन 51 जिलों के 322 विकासखंडों में होगा। इसके लिये राज्य शिक्षा केन्द्र ने नोडल अधिकारी नियुक्त किये हैं। आकलन कार्य में आकांक्षी जिलों को भी शामिल किया गया है। वार्षिक आकलन के दौरान गठित दल प्राथमिक विद्यालयों में जाकर सर्वेक्षण कार्य करेंगे। वार्षिक आकलन में विकासखंडों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। वार्षिक आकलन का उद्देश्य कक्षा 2 और 3 के छात्रों में सीखने के परिणामों का अध्ययन करना है। इस वार्षिक आकलन में कक्षा 2 के 39 हजार और कक्षा 3 के 42 हजार विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

जीताऊ पर ही भाजपा लगाएगी दांव

एक दर्जन से अधिक सांसदों का टिकट खतरे में

भोपाल। मप्र में लोकसभा की सभी 29 सीटों को जीतने के लिए भाजपा एक दर्जन से अधिक सांसदों का टिकट काट सकती है। विधानसभा के चुनाव परिणामों और पार्टी के सर्वे के अनुसार प्रदेश की तकरीबन एक दर्जन लोकसभा सीटों पर पार्टी की स्थिति कमजोरबताई जा रही है। इन सीटों पर भाजपा को विधानसभा चुनाव में भी बढ़त नहीं मिल पाई। ऐसे में क्लीन स्वीप करने के लिए बभजापा सासंदों का टिकट काट सकती है। बता दें 2019 में भाजपा ने 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी। लेकिन इस बार पार्टी ने सभी 29 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है।

पार्टी के सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव की तैयारी के बीच यह तथ्य सामने आया है कि पार्टी के कई सांसदों से जनता नाराज है। लेकिन भाजपा को राष्ट्रवाद और राममंदिर इन सीटों पर जीत दिला सकता है। इस लिए भाजपा बिना हिचक के टिकटों पर कैंची चला सकती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का कहना है कि नई दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व ही लोकसभा के टिकट तय करेगा। हर राज्य अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। मध्य प्रदेश भी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। कौन कहां से लड़ेगा यह केंद्रीय नेतृत्व पर निर्भर है।

इन सांसदों को नहीं मिलेगा टिकट-कमजोर परफॉर्मेंस वाले सांसदों के टिकट कटने को लेकर भाजपा संगठन में चर्चाएं तेज हो गई हैं। उन्हें इस बार लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया जाएगा। इस संबंध में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया भारतीय जनता पार्टी इस बार लोकसभा चुनाव में अलग प्लान के तहत उतरेगी। इस बार उन सांसदों के टिकट काटने की तैयारी चल रही है, जिनका परफॉर्मेंस कमजोर है। इसके साथ ही जो नेता तीन या उससे ज्यादा बार सांसद रह चुके हैं, उन्हें इस बार मौका दिए जाने की संभावना कम ही है। भाजपा सूत्रों के अनुसार पार्टी ने एमपी के लिए जो क्राइटेरिया तैयार किया है। भाजपा इस बार एमपी में 16 नए चेहरों को मौका दे सकती है।

विधानसभा की तर्ज पर लोकसभा चुनाव की तैयारी-एमपी में भाजपा ने विधानसभा 2023 में प्रदेश की 230 सीटों पर लिस्टवार उम्मीदवारों की घोषणा की थी। जिसमें सबसे पहले उन सीटों को चिन्हित किया गया था, जहां पर वर्ष 2018 में कांग्रेस के विधायक जीतकर आए थे। इसके बाद उन सीटों को चिन्हित किया था जहां भाजपा विधायक वर्ष 2018 में कम अंतर से जीते थे। इसके बाद उन सीटों पर भी मंथन किया गया था जहां, पर वर्ष 2018 में बने विधायकों का 2023 के चुनाव में विरोध हो रहा था। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को भी चुनाव मैदान में उतारकर एमपी में नया प्रयोग किया और इसी प्लान के तहत भाजपा ने विधानसभा चुनाव 2023 में प्रचंड जीत हासिल की।

इसी प्लान के तहत भाजपा लोकसभा चुनाव में भी प्रत्याशियों की पहली लिस्ट फरवरी में ही जारी कर सकती है। उन सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान हो सकता है, जो कमजोर हैं या फिर हारी हुई सीट हैं। भाजपा के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर जो बैठक हुई थी, उसमें सबसे ज्यादा चर्चा उन विधानसभा सीटों की हुई जहां पर भाजपा का कमजोर प्रदर्शन रहा। ये सभी विधानसभा सीटें एमपी की 10 लोकसभा सीटों को प्रभावित करती है। बता दें पार्टी ने तीन केंद्रीय मंत्रियों समेत सात सांसदों को विधानसभा चुनाव में टिकट दिया था। इनमें से 5 सीटों पर जीत मिली जबकि सतना सांसद गणेश सिंह और मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते चुनाव हार गए। बता दें कि एमपी में जो दस लोकसभा क्षेत्र के अंदर आने वाली विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस भाजपा से आगे रही है। इन 10 लोकसभा सीटों में से पार्टी ने बैठक के दौरान 5 सीटों को डेंजर जोन में रखा है। इसके अलावा पांच सीटें ऐसी हैं, जहां के मौजूदा सांसदों के लिए खतरे की घंटी मानी जा रही है।

युवा और महिलाओं को टिकट

भाजपा सूत्रों का कहना है कि 29 में से आधी सीटों पर पार्टी युवा और महिलाओं को चुनाव में उतारेगी। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व चुनाव में हर बार प्रत्याशियों के नामों को लेकर चौंकाता है। इस बार राज्यसभा के चार में से तीन चौंकाने वाले प्रत्याशियों के नाम पर मुहर लगाई गई है। अब लोकसभा की 29 सीटों पर भी पार्टी नए चेहरे को उतारकर चौंका सकती है। इस बार 23 सीटों में से करीब एक दर्जन सीटों पर मौजूदा सांसदों के टिकट कटना तय बताया जा रहा है। इनमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और धार के सांसद भी शामिल बताए जा रहे हैं। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 29 में से 28 सीटें जीती थीं। इनमें से सात सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया। इसमें रीवा से सांसद गणेश सिंह और मंडला से सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते चुनाव हार गए। पांच सांसद चुनाव जीते। ऐसे में अब भाजपा के 23 सांसद बचे हैं। पांच सांसदों के विधायक बनने के बाद पांच लोकसभा सीट खाली हो गईं। इनमें मुरैना, होशंगाबाद, सीधी, जबलपुर और दमोह सीटे हैं। इन सीटों पर अब पार्टी नए चेहरे चुनाव मैदान में उतारना तय है।

इनका टिकट खतरे में

पार्टी के मौजूदा सांसदों में करीब दर्जन चेहरे बदल सकती है। इसमें मंडला से फग्गन सिंह कुलस्ते हैं। कुलस्ते आदिवासी नेता हैं, लेकिन वे विधानसभा चुनाव ही हार गए। वहीं, सतना से सांसद गणेश सिंह के टिकट पर भी खतरा है। वे भी विधानसभा का चुनाव हार गए। इसके अलावा रीवा से जनार्दन मिश्रा, बालाघाट से लाल सिंह बिसेन, विदिशा से रमाकांत भार्गव, भोपाल से साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, राजगढ़ से रोडमल नागर, उज्जैन से अनिल फिरोजिया, धार से छत्तर सिंह, इंदौर से शंकर लालवानी, ग्वालियर से विवेक शेजवलकर, सागर से राजबहादुर सिंह भी ऐसे नाम हैं, जिन पर टिकट कटने के बादल मंडरा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। वे गुना लोकसभा सीट से चुनाव लडना चाहते हैं। यदि सिंधिया गुना से चुनाव लड़ते हैं तो मौजूदा सांसद केपी यादव का टिकट कटना तय है। हालांकि सिंधिया ग्वालियर से भी चुनाव लड़ सकते हैं। पार्टी केपी यादव का टिकट काटकर यादव वोटरों को नाराज नहीं करना चाहेगी।

प्रदेश में 9.61 लाख जरूरतमंद परिवारों को मंजूर हुए आवास

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में मध्यप्रदेश का लगातार बेहतर प्रदर्शन

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों को उनका खुद का घर देने के लिये लगातार ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक 9 लाख 61 हजार जरूरतमंदों को आवास मंजूर किये जा चुके हैं। इसके लिये करीब 24 हजार 24 करोड़ रूपये के साथ-साथ बीएलसी घटक के अंतर्गत 16 हजार 242 करोड़ रूपये भी मंजूर किये गये हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना में मंजूर आवासों में से अब तक 7 लाख 32 हजार हितग्राहियों के मकान निर्मित कर दिये गये हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लगातार बेहतर क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश को बेस्ट परफार्मिंग स्टेट अवार्ड की श्रेणी में दूसरा पुरस्कार मिला है। अन्य योजनाओं से अभिसरण, आईईसी (प्रचार-प्रसार) गतिविधियों का संचालन एवं राज्य स्तरीय तकनीकी प्रकोष्ठ के प्रदर्शन में भी सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा दिया गया है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य का पुरस्कार (पीएमएवाई (यू), एम्पावरिंग इंडिया अवार्ड) भी मिला है। केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय की 'खुशियों का आशियाना' प्रतिस्पर्धा में मध्यप्रदेश को 4 पुरस्कार मिले हैं।

भूमिहीन परिवारों को निःशुल्क आवासीय पट्टा-योजना की सफलता के लिये राज्य सरकार द्वारा किये गए कई नवाचारों तथा प्रभावी रणनीतियों का विशेष योगदान रहा है। शहरी क्षेत्र में भूमिहीन परिवारों को आवासीय भूमि का पट्टा उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे योजना के बी.एल.सी. घटक के लाभ से वंचित न रहें। यह छोटे और मझोले शहरों में योजना का सबसे लोकप्रिय घटक है, जिसमें हितग्राही अपने घर का निर्माण खुद ही करता हैं।

विधानसभा चुनाव के बाद तेजी से बढ़ा रेत का अवैध खनन

बंदूकों के साए में हो रहा अवैध कारोबार, ग्रामीणों पर फायरिंग से भी नहीं चूकते रेत माफिया

भोपाल। विधानसभा चुनाव के बाद से चंबल, नर्मदा सहित अन्य नदियों से रेत का अवैध उत्खनन बढ़ता जा रहा है। ग्वालियर-चंबल अंचल में तो माफिया चंबल नदी को खोखला करने में जुट गए हैं। मुरैना जिले में राजस्थान तक के रेत माफिया अवैध उत्खनन कर रहे हैं। कईयों जगह बंदूकों के साए में चंबल के घाटों को खोखला किया जा रहा है। रेत माफिया का दुस्साहस इतना बढ़ गया है, कि शिकायत करने वाले और अवैध वाहनों के ट्रैक्टर-ट्राली के लिए रास्ता नहीं देने वालों पर गोलियां तक दागने से नहीं डर रहे। गौरतलब है, कि एक महीने पहले मुख्य सचिव वीणा राणा ने मुरैना जिले में हो रहे रेत के अवैध उत्खनन पर नाराजगी जताते हुए इस पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए थे। मुख्य सचिव की नाराजगी के बाद मुरैना जिले को एसएएफ की एक कंपनी मिली, जिसे राजघाट व बरवासिन घाट पर तैनात कर दिया, इसके बाद इन घाटों से अवैध रेत के उत्खनन पर अंकुश है। लेकिन रेत माफिया ने दूसरे घाटों पर अंधाधुंध तरीके से अवैध उत्खनन शुरू कर दिया है।

आठ दिन में तीन बार फायरिंग-चिन्नौनी भर्रा-करजौनी घाट, देवगढ़ घाट, कैमरा-केंथरी क्षेत्र में रेत माफिया बंदूकों के साए में अवैध उत्खनन कर रहे हैं। रेत उत्खनन को लेकर भर्रा-करजोनी घाट पर रेत माफिया के बीच बीते आठ दिन में तीन बार फायरिंग की घटना हुई है। शुक्रवार की शाम को गुढ़ा चंबल के युवक मनीष सिंह सिकरवार को रेत माफियाओं ने केवल इस बात पर गोली मार दी थी, क्योंकि मनीष सिंह ने अवैध रेत के ट्रैक्टर-ट्रालियों को अपने खेत से होकर निकलने से रोक दिया था। इससे पहले 29 जनवरी को कैलारस के खेड़ाकला में रेत माफियाओं के बीच ताबड़तोड़ फायरिंग हुई, जिसमें छह से सात ट्रैक्टर-ट्रालियों के टायरों को गोलियों को फोड़ दिया गया था। इस वारदात के दूसरे दिन चिन्नौनी व कैलारस पुलिस ने रेत माफियाओं के घर दबिश दी तो एक घर से 40 से 45 कारतूस और पांच बंदूकें मिली थीं। चार दिन पहले ही रेत के वाहनो को पकडने गई पुलिस टीम पर रेत माफिया ने पथराव कर फायरिंग तक कर दी और रेत के ट्रैक्टर-ट्राली को छुड़ाने का प्रयास किया, इसमें पुलिस ने जवाबी फायरिंग करके एक ट्रैक्टर-ट्राली के टायर फोड़ दिए तब एक ट्रैक्टर को पकड़ा था। लगातार हो रही ऐसी घटनाएं रेत माफिया के दुस्साहस को बयां करने वाली हैं।

डीएफओ आफिस के पड़ोस में रेत की मंडी-मुरैना शहर से लेकर नूराबाद तक लगने वाली रेत की मंडियां चंबल नदी से हो रहे अवैध रेत उत्खनन की गवाह हैं। मुरैना शहर के बड़ोखर क्षेत्र के अलावा अंबाह बायपास तिराहा पर हर रोज अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रालियों की कतारें दिखती हैं। हैरान करने वाला नजारा तो डीएफओ कार्यालय के पास दिखता है, जहां डीएफओ कार्यालय के पीछे बिस्मिल नगर से लेकर हाईवे किनारे तक अवैध रेत के ट्रैक्टर-ट्रालियों का जमावड़ा रोज दिखता है।

फिल्मों में बोल्ड अंदाज दिखाकर भी करियर नहीं बना पाईं ये एक्ट्रेसेस

तनुश्री दत्ता

तनुश्री दत्ता ने आशिक बनाया आपने में इमरान हाशमी संग जमकर बोल्ड सीन दिए। इसके बाद वह लोगों को बीच छा गईं लेकिन तनुश्री दत्ता का करियर कुछ खास नहीं रहा है।

बॉलीवुड इंडस्ट्री कई ऐसी एक्ट्रेसेस रही हैं जिन्होंने फिल्मी पर्दे पर अपने बोल्ड अंदाज से लोगों का ध्यान खींचा है। ये एक्ट्रेस अपने बोल्ड सीन से काफी ज्यादा

पॉपुलर हो गईं। हालांकि, इन एक्ट्रेसेस का ये जादू ज्यादा दिन चल नहीं पाया और ये रातों-रात इंडस्ट्री से गायब हो गईं। इस तरह से इन एक्ट्रेस का बोल्ड

अंदाज लंबे समय तक टिक नहीं पाया। इस लिस्ट मल्लिका शेरावत, तनुश्री दत्ता, उदिता गोस्वामी जैसी कई एक्ट्रेसेस शामिल हैं। आइए जानते हैं उन एक्ट्रेसेस के नाम जो फिल्मों में बोल्डनेस दिखाकर भी फेल हो गईं।

गीता बसरा

गीता बसरा ने द ट्रेन सहित फिल्मों में बोल्ड सीन दिए और लोगों का ध्यान खींचा। हालांकि, गीता बसरा का जादू ज्यादा दिनों तक चल नहीं पाया।

समीरा रेड्डी

समी रेड्डी ने फिल्मों में बोल्ड सीन देने से कोई परहेज नहीं किया है। समीरा रेड्डी को बॉलीवुड में कामयाबी नहीं मिल पाई।

उदिता गोस्वामी

उदिता गोस्वामी ने जहर और अक्सर जैसी फिल्मों में अपनी बोल्ड सीन से जमकर तड़का लगाया। हालांकि, उदिता गोस्वामी का करियर आगे बढ़ नहीं पाया।

कोइना मित्रा

कोइना मित्रा के फिल्मों में बोल्ड सीन जमकर वायरल हुए। कोइना बोल्ड अंदाज लोगों को पसंद आया लेकिन फिर वह इंडस्ट्री से गायब हो गईं।

ईशा गुप्ता

ईशा गुप्ता ने तमाम फिल्मों में काम किया है और बोल्ड सीन दिए हैं। ईशा गुप्ता अब फिल्मों में कम ही नजर आती हैं।

अमेज़ॅन मिनीटीवी ने रक्षक- इंडियाज़ ब्रेवः चैप्टर 2 के लिए एक रोमांचक ट्रेलर को प्रदर्शित किया, जिसमें वीरता और बलिदान की कहानी को दर्शाया गया है

जगरनॉट स्टूडियो द्वारा निर्देशित, रक्षक- इंडियाज़ ब्रेव्स~ चैप्टर 2 को 22 फरवरी से अमेज़ॅन मिनीटीवी पर अमेज़ॅन शॉपिंग ऐप, फायर टीवी और प्ले स्टोर पर मुफ्त में स्ट्रीम किया जाएगा।

अमेज़ॅन मिनीटीवी- अमेज़ॅन की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा अपनी आगामी श्रृंखला रक्षक- इंडियाज़ ब्रेव्स~ चैप्टर 2 के साथ दर्शकों की देशभक्ति की भावना को जगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। दर्शकों को ऑपरेशन कुलगाम की याद दिलाते हुए, स्ट्रीमिंग सेवा ने आज श्रृंखला का भावनात्मक रूप से रोमांचित ट्रेलर जारी किया। मनोरंजक कथा सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जो नायब सूबेदार सोमबीर सिंह और डीवाईएसपी अमन ठाकुर की वीरता को श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिन्होंने सेना के काफिले पर दुर्भाग्यपूर्ण पुलवामा हमले के कुछ दिनों बाद कुलगाम जिले में,++ श्रेणी के आतंकवादियों के साथ करीबी लड़ाई में अपनी जान दे दी। जगरनॉट स्टूडियो द्वारा निर्मित और बरुण सोबती, सुरभि चंदना और विश्वास किनी की प्रमुख भूमिकाओं में शामिल हैं, रक्षक- इंडियाज़ ब्रेव्स~ चैप्टर 2 का प्रीमियर 22 फरवरी से अमेज़ॅन मिनीटीवी पर मुफ्त में किया जाएगा। राष्ट्रभक्ति के जोश से भरपूर, ट्रेलर कुलगाम ऑपरेशन की साहसी और वीर गाथा में एक झलक प्रस्तुत करता है, जिसमें उच्च-संघर्ष युद्ध दृश्य, वास्तविक क्रिया, मोहक सिनेमेटोग्राफी, और गुणवत्ता वाले पात्र शामिल हैं। सीरीज के बारे में बात करते हुए बरुन सोबती, जो नायब सूबेदार सोमबीर सिंह की भूमिका निभा रहे हैं, ने साझा किया, मैं अमेज़ॅन मिनीटीवी पर रक्षक- इंडियाज ब्रेव्स~ चैप्टर 2 का हिस्सा बनकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। नायब सूबेदार सोमबीर सिंह का किरदार निभाने से मुझे कर्तव्य की गहरी भावना के साथ देशभक्ति को गहनता के साथ जानने का मौका मिला है और मैं दर्शकों द्वारा इस वीरतापूर्ण कहानी को देखने का और इंतजार नहीं कर सकता। हमारे देश के अप्रतिम नायकों की वीरता, समर्पण और बलिदान पर ध्यान केंद्रित करने वाली कहानी का हिस्सा होना सच में एक आनंद है। यह यात्रा एक गुणवत्ता से भरपूर अनुभव और सम्मान से भरी है, जो मुझ पर अटूट छाप छोड़ गई है। रक्षक - भारत के ब्रेव्स~ अध्याय 2 की कहानी देशभक्ति की भावना को खूबसूरती से दर्शाती है और हमारे वीर सैनिकों को दिल से श्रद्धांजलि अर्पित करती है। मुझे उस परियोजना के एक हिस्से में योगदान करने पर बेहद गर्व हैठु, जो हमारे देश के नायकों की अटूट भावना का जश्न मनाती है। सुरभि चंदना ने श्रृंखला का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए व्यक्त किया, सुरभि चंदना ने श्रृंखला का हिस्सा बनने पर साझा किया।

श्रृंखला में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, विश्वास किनी ने कहा, रक्षक- इंडियाज़ ब्रेव ~ चैप्टर 2 में डीवाईएसपी अमन कुमार ठाकुर के चरित्र को चित्रित करना एक सम्मान और विशेषाधिकार रहा है। यह एक ऐसा चरित्र है जो हमारे वास्तविक जीवन के नायकों की वीरता और प्रतिबद्धता से गहराई से मेल खाता है। जैसे-जैसे श्रृंखला अपनी रिलीज होने के नज़दीक आ रही है, मैं इस उत्कृष्ट कहानी को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक होकर प्रत्याशा और गर्व से भर गया हूं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी और इसमें दर्शाए गए साहस से प्रेरित होंगे।

अपने देश के वीरों की साहस और बलिदान के द्वारा मोहित होने के लिए तैयार रहें, क्योंकि रक्षक- इंडियाज ब्रेव्स~ चैप्टर 2 % का एक्सक्लूसिव प्रीमियर 22 फरवरी से अमेज़ॅन मिनीटीवी पर अमेज़ॅन शॉपिंग ऐप, फायर टीवी और प्ले स्टोर पर मुफ्त में किया जाएगा।

जवान और शीशे सी स्किन के लिए कोरियन लोग लेते हैं ये सप्लीमेंट

खूबसूरत दिखना हर किसी की चाहत होती है लेकिन बढ़ती उम्र, तनाव और प्रदूषण के चलते आजकल सुंदर और जवान चेहरे की चाहत कमजोर पड़ती जा

रही है। आपने टीवी और फिल्मों में कोरियन ब्यूटी को लेकर अगर सुना होगा तो जानते होंगे कि कोरिया की महिलाएं अपनी सुंदर, ग्लासी और टाइट स्किन के लिए दुनिया भर में जानी जाती हैं। कोरिया की महिलाओं की खूबसूरती इस तरह है कि उनकी स्किन ग्लास की तरह चमकती है और 40 की उम्र में भी उनकी ब्यूटी 20 साल की लगती है। चलिए जानते हैं कि चेहरे को खूबसूरत और जवां बनाए रखने के लिए कोरिया की महिलाएं आखिर किस सीक्रेट का इस्तेमाल करती हैं।

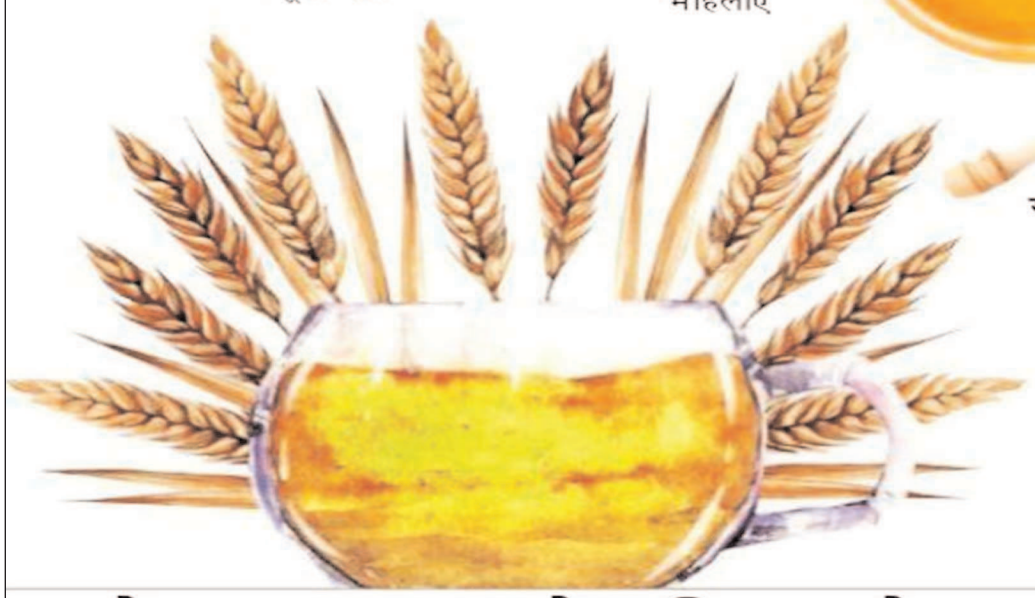

राइस वाटर– राइस वाटर कोरियाई ब्यूटी टिप्स का ही हिस्सा है जो दुनिया भर में ब्यूटी सीक्रेट के तौर पर मशहूर हो चुका है। रात को चावल को भिगोकर रखें और सुबह चावल छानकर इस पानी को टोनर की तरह यूज किया जाता है। इस पानी को आप फेस पैक के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो इस पानी से चेहरा भी धो सकते हैं। ये चेहरे को निखार देता है और इससे चेहरा क्लींज हो जाता है।

बोरी चा– बोरी चा यानी जौ की चाय कोरियन लड़कियों का एक शानदार ब्यूटी सीक्रेट है। जौ के दानों को भूनकर इसे पानी में उबाला जाता है और उसके सेवन से स्किन को जबरदस्त फायदे मिलते हैं। इस चाय को ना केवल पिया जाता है बल्कि इसे फेस टोनर की तरह स्किन पर भी यूज किया जाता है। इससे बाल धोने पर बालों को जबरदस्त चमक और पोषण मिलता है। इसलिए बोरी चा पीकर कोरियाई महिलाएं सुंदर और जवां दिखती हैं।

एक्सफोलिएशन है जरूरी– कोरियाई महिलाएं अपने ब्यूटी रूटीन में एक्सफोलिशन को खासा महत्व देती है। समय समय पर स्किन को एक्सफोलिएट करने से ना केवल पिंपल और एक्ने से छुटकारा मिलता है बल्कि इससे ओपन पोर्स से भी राहत मिलती है। इससे स्किन से सीबम निकल जाता है और त्वचा निखर जाती है।

शहद– शहद में एंटीऑक्सिडेंट सहित सभी अच्छे गुण होते हैं जो त्वचा को न केवल नमी बनाए रखने में मदद करते हैं बल्कि इसे लंबे समय तक चमकदार भी बनाते हैं। इसमें कई दूसरे पोषक तत्व भी होते हैं जो स्किन पर आश्चर्यजनक रूप से काम करते हैं। बस स्किन पर शहद अप्लाई करने से पहले इस बात को एंश्योर करें कि आप और ऑर्गेनिक शहद लगा रहे हैं मिलावटी नहीं। दिन में दो बार नियमित रूप से शहद लगाएं और ठंडे पानी से साफ करें।

ब्रेकफास्ट के लिए बेस्ट है हरे चने की चाट

सर्दियों में मिलने वाले वाले हरे चने को आपको जरूर अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। क्योंकि ये कैल्शियम जिंक आयरन फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। जो कई सारी बीमारियों से बचाकर हमें सेहतमंद रखते हैं। इसे आप ब्रेकफास्ट से लेकर ईवनिंग स्नैक्स तक में कर सकते हैं शामिल। आइए जानते हैं हरे चने की चाट की रेसिपी।

हरे चने की चाट की रेसिपी

सामग्री– हरे चने– 200 ग्राम, 1 से 2 आलू उबला और छोटे कटे हुए, तेल– 1 बड़ा चम्मच, जीरा– 1 छोटा चम्मच, 1 प्याज़ बारीक कटी हुई, 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, 1 कप हरा धनिया बारीक कटा हुआ, 1/2 खीरा बारीक कटा हुआ, स्वादानुसार नमक, भुना जीरा पाउडर– 1/2 बड़ा चम्मच, चाट मसाला– 1 चम्मच, स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नींबू का रस

विधि

– सबसे पहले कुकर में हरे चनों को एक सीटी आने तक पका लें।

– फिर पैन में तेल गरम करें, इसमें जीरा, हींग डालकर तड़काएं फिर उबले चने डालें।

– नमक डालकर मिक्स करें।

– अब इसमें आलू और लाल मिर्च पाउडर डालकर मिक्स करें और आंच बंद कर दें।

– बाउल में हरे चने डालें। इसमें प्याज़, टमाटर, खीरा और हरा धनिया डालें।

– फिर इसमें जीरा पाउडर, चाट मसाला और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।

– ऊपर से चाट मसाला छिड़ककर सर्व करें।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री वैष्णव से मंत्री श्री सिलावट ने नई दिल्ली में सौजन्य भेंट की

इंदौर में रेल सुविधाओ के विस्तार के लिए रेलमंत्री को मांग पत्र सौंपा

इंदौर में विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बनाने के लिए भी चर्चा की

मांगलिया और सिंगापुर टाउनशिप के पास रेलवे ओवर ब्रिज की भी चर्चा हुई

रतलाम ट्रेन को आम जनता के हित में नीमच तक बढ़ाया जाए

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सौजन्य भेंट की और इंदौर में रेल सुविधा बढ़ाने के संबंध में चर्चा की। उन्होंने इंदौर की जनता की मांग के अनुसार एक मांग पत्र भी सौंपा। रेल मंत्री श्री वैष्णव ने जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट को आश्वस्त कर कहा की जल्दी ही रेलवे के अधिकारियो इस संबंध में भौतिक सत्यापन कराया जाएगा और मांग पत्र कार्यवाही करने के लिए कहा जाएगा । मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय रेल मंत्री से भेंट के दौरान कहा की इंदौर मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी होकर देश के मेट्रो शहरों की श्रेणी में तेजी से विकसित हो रहा है। इसके साथ ही वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ महापर्व में आने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधाओं को देखते हुए, रेल सुविधाओं का विस्तार किया जाना जनहित में अत्यंत आवश्यक है। मंत्री श्री सिलावट ने इंदौर के रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाए जाने पर भी चर्चा की।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने रेल मंत्री से कहा की इंदौर के सिख समाज के भाईयो और नई दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए इंदौर अमृतसर रेल को सप्ताह में 3 दिन चलाया जाये। उन्होंने ट्रेन संख्या 20957/58 इंदौर-नई दिल्ली-इंदौर को प्रतिदिन करना, महू-फतेहाबाद (चंद्रावतीगंज) जंक्शन महू के बीच सुबह के समय एक डेमू ट्रेन का संचालन किया जाता था जिसे पुनः संचालन किया जाये। वर्तमान में चल रही डेमू रैक के स्थान पर मेमू रेक का परिचालन किया जाये। इंदौर से नीमच को जोड़ने के लिए ट्रेन संख्या 11125/26 (रतलाम इंदौर ग्वालियर /भिंड ट्रेन) को नीमच तक बढ़ाया जाये। अभी यह रेक रतलाम में 5 घंटे खड़ा रहता है। आम जनता की सुविधा और सुरक्षा के लिए मांगलिया और सिंगापुर टाउनशिप के पास रेल ऊपरी पुल (आरओबी) की स्वीकृति प्रदान की जाए। मंत्री श्री सिलावट ने फतेहाबाद (चंद्रावतीगंज) रेलवे स्टेशन को मॉडल स्टेशन बनाने का भी आग्रह किया। सीआरएस स्पेशल के साथ हुई दुर्घटना स्थल (जहां 28 दिसम्बर को कैलोदहाला इंदौर में रेलवे ट्रेक पर 02 छात्राओं की मृत्यु हो गई थी) के पास सुरक्षा की दृष्टि से दोनों तरफ बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जाने का आग्रह किया।

दो दिन में ही टूट गए महूनाका चौराहे के डिवाइडरों पर लगाए गमले

नगर निगम का यह कैसा सौंदर्यीकरण, बदसूरत दिख रहा चौराहा

***इंदौर।** महू नाका चौराहे के डिवाइडरों को सुंदर बनाने के लिए नगर निगम ने उनके ऊपर प्लास्टिक के गमले रखें हैं। यह गमले इतनी घटिया क्वालिटी के हैं कि रखे जाने के अगले ही दिन कई टूट गए हैं। न सिर्फ गमले टूट गए हैं बल्कि कई गमले में तो लगाए गए पौधे भी सूख गए हैं। नगर निगम का यह कैसा सौंदर्यीकारण है जो अब बदसौंदर्यीकारण दिखाई दे रहा है।*

महूनाका चौराहा पश्चिम क्षेत्र का सबसे बड़ा माना जाता है। इसका सौंदर्यीकरण कई प्रकार से किया जा चुका है, लेकिन अभी भी चौराहा कुछ जगह बदहाल है। यहां तक की चौराहे के बीच में रखी छतरी भी कुछ जगह से टूटी हुई है। हाल ही में यहां सीमेंट के पक्के डिवाइडर भी रखे गए हैं। इन डिवाइडरों को और सुंदर बनाने के उद्देश्य से इनके ऊपर काले रंग के प्लास्टिक के गमले लगाए गए। इन गमलों को फिक्सिंग फस्टनर्स द्वारा सीमेंट के डिवाइडरों में कसा गया है। इतनी लंबी कार्रवाई देख ऐसा लगता है था कि यह गमले लंबे समय शहर के चौराहे की सुंदरता बढ़ाएंगे, लेकिन रखे जाने के दूसरे ही दिन कुछ गमले टूट गए हैं।

कई गमले का तो टूट गया तला-कुछ गमले ऐसे भी है जिन्हें जिस फास्टनर्स से डिवाइडर में ठोंका गया, वे वहां से ही टूट गए हैं। जिन्हें दूसरी जगह हटकर भी रखा गया है। बताया जा रहा है कि यह गमले टूटने का मुख्य कारण इनमें टैंकर से दिया जाने वाला पानी है, लेकिन इससे यह भी एक प्रश्न उठता है कि जो गमले पानी का ही प्रेशर नहीं सहन कर पाए वह कितने मजबूत होंगे। साथ ही गर्मी की तपन कैसे सहन करेंगे।

सीएसआर में मिलें हैं बदल देंगे-महू नाका सहित शहर के सभी चौराहों के डिवाइडरों पर लगवाए गए प्लास्टिक के काले गमले सीएसआर में मिले हैं। जहां टूट गए हैं, वहां बदल दिए जाएंगे।

चेतन पाटिल, सहायक उद्यान अधिकारी

नायता मुंडला से अभी नहीं चलेंगी बसें

बस संचालकों-कलेक्टर की बैठक के बाद होगा आगामी निर्णय

इंदौर। नायता मंडल में बने नए आईएसबीटी से फिलहाल बसों का संचालन टल गया है। यहां से बसों का संचालन कब शुरू होगा इसका निर्णय कलेक्टर आशीष सिंह और बेसन के संचालक को के मध्य होने वाली आगामी बैठक के बाद लिया जाएगा। नेता मंडल में बने आईएसबीटी से 16 फरवरी से बसों का संचालन किया जाना था।

जानकारी अनुसार नौलखा और तीन इमली बस स्टैंड से संचालित होने वाली बसों को नेता मंडल में बने आईएसबीटी से चलने की योजना रही। बताया जा रहा है कि इसके लिए आदेश भी जारी हो चुके थे। हालांकि बेसन का संचालन नित दिन से शुरू नहीं हो सका। नायता मुंडला से बसों के संचालन न होने के पीछे एक बड़ा कारण यह भी सामने आ रहा है कि बस संचालक शुरू से ही यहां से बेस दौड़ने के विरोध में रहे हैं। इधर प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि शहर के मध्य से बसों के संचालन से शहर में ट्रैफिक प्रभावित होता है। वहीं बस संचालकों का कहना है कि उनकी बेसन के कारण शहर का ट्रैफिक किसी प्रकार से प्रभावित नहीं होता है बल्कि शहर का ट्रैफिक बेदर्दी वाहनों के दौड़ने से हो रहा है। खैर कुछ भी हो नेता मुंडला से बसों का संचालन कब शुरू होगा यह आगामी दिनों में ही पता चल पाएगा।

गर्मियों की छुट्टी के कारण ट्रेनों में बढ़ रही वेटिंग

इंदौर। गर्मियों की छुट्टी के मध्य नजर ट्रेनों में सीट मिलना अब मुश्किल होता जा रहा है। इनमें उत्तर दिशा की ओर जाने वाली ट्रेनों में ज्यादा भीड़ नजर आ रही है। इंदौर-पटना के बीच सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन में यात्रियों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है और मार्च के पहले हफ्ते से पहले ज्यादातर श्रेणियों में कन्फर्म बर्थ मिलना मुश्किल हो रहा है। इस दबाव के कारण खासतौर पर सामान्य और स्लीपर श्रेणी में यात्रियों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। जिन यात्रियों को सामान्य श्रेणी के कोच में दाखिल होने की जगह नहीं मिलती, वे स्लीपर श्रेणी में आ जाते हैं। इससे रिजर्वेशन करवाकर सफर करने वाले यात्रियों को आने-जाने की भी जगह नहीं मिल पाती। कोच के कॉरिडोर में लोग खड़े होकर सफर करते हैं, जिससे दूसरे यात्री परेशान होते हैं। कभी-कभी तो यात्री थर्ड एसी के कोच में भी आ जाते हैं। फिलहाल इंदौर- पटना के बीच इंदौर-पटना सप्ताह में तीन दिन सीधी ट्रेन है, जो हर सोमवार, बुधवार व शनिवार को इंदौर से चलती है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)